वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 25 अक्टूबर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

दैनिक जागरण

जौनपुर जागरण

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षकों को सौंपी गई अतिरिक्त जिम्मेदारी

शोध और छात्र कल्याण से जुड़े प्रभागों व समितियों में कार्य आवंटन

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर) : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय प्रशासन ने विभिन्न संकायों और विभागों में कार्यरत शिक्षकों को शैक्षणिक, शोध, छात्र कल्याण और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े प्रभागों, समितियों एवं प्रकोष्ठों की जिम्मेदारियां सौंपी हैं। कुलपति के निर्देश पर जारी आदेशों में शिक्षकों को अलग-अलग दायित्व आवंटित करते हुए कार्यों के समन्वय, निगरानी और समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर दिया गया है।

शैक्षणिक कार्य प्रभाग का निदेशक प्रो. मानस पांडेय को बनाया गया है। प्रो. देवराज सिंह पाठ्यचर्या एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, जबकि प्रो. रवि प्रकाश शैक्षणिक कैलेंडर, कक्षाओं के संचालन, प्रवेश विश्लेषण और नए पाठ्यक्रमों से संबंधित कार्य देखेंगे। प्रो. रवि प्रकाश को पाठ्यक्रम पूरा होने, शिक्षक कार्यभार, विद्यार्थियों की उपस्थिति और परीक्षा परिणाम की समयसीमा की निगरानी भी करनी होगी। अनुसंधान एवं विकास सेल के निदेशक प्रो. राजकुमार होंगे। टीम में डा. मनीष कुमार गुप्ता, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह और प्रो. विनोद कुमार गुप्ता शामिल हैं। सेल पीएचडी प्रवेश से शोधप्रबंध मूल्यांकन और उपाधि तक की प्रक्रिया के समन्वय के साथ मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) एवं अध्यादेश का प्रारूप तैयार करेगा। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आइक्यूएसी) के निदेशक प्रो. गिरिधर मिश्र होंगे। भारत बौद्धिक राष्ट्रीय परीक्षा-2026 के नोडल अधिकारी प्रो. प्रमोद कुमार यादव और सह नोडल अधिकारी डा. शशिकांत यादव होंगे। दोनों परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों में पंजीकरण व परीक्षा समन्वय देखेंगे। उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद ने पंजीकरण की समेकित सूचना उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।



- शिक्षण से लेकर सांस्कृतिक गतिविधियों तक की जिम्मेदारी, परिणाम पर रहेगी नजर
- निगरानी और समयबद्ध क्रियान्वयन पर दिया गया जोर

पीईटी को लेकर आज परिवर्तित रहेगा मार्ग

जागरण संवाददाता, जौनपुर : प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच 32 केंद्रों पर होगी। इसे लेकर मार्ग परिवर्तित रहेगा। अलग-अलग तीन तिथियों में आयोजित होने वाली इस परीक्षा में कुल 87,696 अभ्यर्थी शामिल होंगे। सुचित को लेकर 32 केंद्र व्यवस्थापक एवं 32 सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक व द्वितीय पाली दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक निर्धारित है। परीक्षा के कारण शहर क्षेत्र में होने वाले भीड़ के दृष्टिगत रविवार, 30 अक्टूबर व एक नवंर सुबह छह बजे से रात आठ बजे तक मार्ग परिवर्तित रहेगा। गैस, डीजल, पेट्रोल, व मेडिकल से संबंधित वाहनों को छोड़ अन्य भारी वाहनों का शहर में प्रवेश वर्जित रहेगा। पचहटिया तिराहा से शहर क्षेत्र में आने वाले भारी वाहनों का आवागमन रात आठ बजे तक वर्जित रहेगा। प्रसाद तिराहा से, पकड़ी हाइवे अंडर पास, अलीगंज हाइवे तिराहा से, जगदीशपुर चौराहे से भी शहर में वाहन प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इसी तरह चांदपुर हाइवे अंडरपास से, कुतुपुर तिराहे से व हौज टाल प्लाजा से शहर क्षेत्र में आने वाले भारी वाहनों का आवागमन सुबह छह से रात आठ बजे तक नहीं हो सकेगा।

कैलेंडर जारी, 14 नवंबर से शुरू होंगी परीक्षाएं

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की परीक्षाओं को लेकर परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार, मुख्य सैद्धांतिक परीक्षाएं 14 नवंबर से शुरू होंगी। विद्यार्थियों को परीक्षा फार्म भरने और उनके सत्यापन की प्रक्रिया 31 अक्टूबर तक पूरी करनी होगी। विश्वविद्यालय ने परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार पूरा करने की तैयारी शुरू कर दी है।

परीक्षा कैलेंडर के अनुसार, विद्यार्थियों के परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। इसी दिन तक संबंधित महाविद्यालयों और विभागों को परीक्षा फॉर्म के सत्यापन की प्रक्रिया भी पूरी करनी होगी। ऐसे में विद्यार्थियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन करने के साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके परीक्षा फॉर्म का सत्यापन भी समय से हो जाए।विश्वविद्यालय की ओर से जारी कार्यक्रम के मुताबिक, विभिन्न पाठ्यक्रमों की मुख्य लिखित परीक्षाएं 14 नवंबर से आयोजित की जाएंगी। समय-सारिणी बनाने में सहूलियत मिलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन का प्रयास है कि परीक्षाएं समय से कराकर मूल्यांकन और परिणाम जारी करने की प्रक्रिया भी निर्धारित समय के भीतर पूरी की जाए।

दैनिक जागरण

आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के लिए बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी



पूर्वांचल विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गांव सुलतानपुर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में खिलौने व पुस्तक देतीं सोनिया सिंह व अन्य● स्रोत - विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गए गांव सुल्तानपुर के आंगनबाड़ी केंद्र पर शनिवार को बच्चों के शैक्षिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने वितरित किए गए। इस दौरान कुलपति राकेश कुमार सिंह की पत्नी सोनिया सिंह ने केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों से संवाद किया और प्रारंभिक शिक्षा, पोषण तथा स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। उनके सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा के साथ पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं और स्वच्छ वातावरण भी जरूरी है। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी है। यहां उपलब्ध कराई गई पुस्तकें, कहानियां और खिलौने बच्चों की सीखने की रुचि, कल्पनाशीलता और रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने में सहायक होंगे।

निरीक्षण के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक कहानियां और कविताएं सुनाईं। सोनिया ने आंगनबाड़ी सहायिका से केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओं एवं बच्चों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डा. शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर डा. अनु त्यागी, करंजाकला की बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) मंजू तिवारी, आंगनबाड़ी सहायिका और प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर के शिक्षक रहे।

अमर उजाला

प्रो. रजनीश को सिविल और विद्युत कार्यों की जिम्मेदारी

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में परिसर के सिविल और विद्युत कार्यों के नियोजन, निर्माण और रखरखाव की जिम्मेदारी विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर को सौंपी गई है। कुलपति कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार, उन्हें निदेशक नियोजन एवं विकास का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। प्रो. भास्कर परिसर में सिविल और विद्युत संबंधी आधारभूत सुविधाओं के नियोजन, नए निर्माण, संचालन, तकनीकी परीक्षण और मरम्मत कार्यों का समन्वय करेंगे। भवन एवं निर्माण समिति के गठन या पुनर्गठन, बैठकों की व्यवस्था और समिति के निर्णयों के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समय सीमा में पूरा कराने के लिए निदेशक के अधीन विशेष टीम बनाई गई है। संवाद

आज का परिणाम

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सेंट्रलिटी मेजर पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

ब्यूरो आज का परिणाम/जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. आर के सिंह जी की प्रेरणा और संकायाध्यक्ष प्रो सौरभ पाल विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में छात्रों के लिए एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ऋषि रंजन सिंह उपस्थित रहे। डॉ. ऋषि रंजन सिंह ने सेंट्रलिटी मेजर जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपना विस्तृत और ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि सेंट्रलिटी मेजर नेटवर्क साइंस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो किसी भी नेटवर्क में सबसे महत्वपूर्ण नोड की पहचान करने में मदद करता है। उन्होंने सेंट्रलिटी के विभिन्न प्रकारों जैसे डिग्री सेंट्रलिटी, बिटवीननेस सेंट्रलिटी, क्लोजनेस सेंट्रलिटी और ईजेनवेक्टर सेंट्रलिटी को विस्तार से समझाया। डॉ. सिंह ने इस सिद्धांत के रियल लाइफ में उपयोगों को बहुत ही रोचक तरीके से समझाया। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर पर कौन सबसे प्रभावशाली व्यक्ति है, इसका पता लगाने के लिए कंपनियां ईजेनवेक्टर और डिग्री सेंट्रलिटी का उपयोग करती हैं। इसी प्रकार गूगल का प्रसिद्ध पेजरैंक एल्गोरिदम भी सेंट्रलिटी पर ही आधारित है जो यह तय करता है कि सर्च करने पर कौन सी वेबसाइट सबसे ऊपर आएगी। उन्होंने एक और महत्वपूर्ण उदाहरण देते हुए बताया कि कोरोना महामारी के दौरान यह पता लगाने के लिए कि किस व्यक्ति के संपर्क में आने से संक्रमण सबसे तेजी से फैल सकता है, वैज्ञानिकों ने बिटवीननेस सेंट्रलिटी का उपयोग किया था, ताकि ऐसे लोगों को आइसोलेट किया जा सके। साथ ही परिवहन व्यवस्था में यह पता लगाने के लिए कि किसी शहर का कौन सा चौराहा, रेलवे स्टेशन या एयरपोर्ट सबसे महत्वपूर्ण है, जहां से सबसे ज्यादा रास्ते जुड़ते हैं क्लोजनेस सेंट्रलिटी का उपयोग किया जाता है। बैंकिंग फ्रॉड का पता लगाने और बिजली ग्रिड में सबसे संवेदनशील पॉइंट को खोजने में भी इसका उपयोग होता है।इस व्याख्यान में इंजीनियरिंग संकाय के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे और उन्होंने पूरे मनोयोग से व्याख्यान सुना। छात्रों ने अंत में विषय से संबंधित प्रश्न भी पूछे, जिनका डॉ. सिंह ने बड़ी सहजता से उत्तर दिया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिवेन्दु मिश्रा ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सौरभ पाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि डॉ. ऋषि रंजन सिंह का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा मुख्य वक्ता का परिचय प्रियंका जायसवाल ने प्रस्तुत किया। अंत में संयोजक डॉ. दिवेन्दु मिश्रा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में कंप्यूटर एप्लीकेशन के विभागाध्यक्ष पंकज कुमार सहित प्रो नूपुर गोपल, डॉ. मुनींद्र सिंह, डॉ प्रशांत यादव, प्रवीण पांडे, सौरभ सिंह, डॉ मिथिलेश पांडे, अवधेश यादव, आदित्य कुमार आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

आज का परिणाम

आंगनबाड़ी केंद्र को विवि ने दिए पुस्तकें, खिलौने



ब्यूरो आज का परिणाम/ जौनपुर। गोद लिए ग्राम सुल्तानपुर के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा शनिवार को पुस्तकें, कहानी की किताबें तथा खिलौने प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने केंद्र की बाल विकास व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए बच्चों से आत्मीय संवाद किया और प्रारंभिक शिक्षा, पोषण एवं स्वच्छता पर बल दिया। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। उनका सर्वांगीण विकास केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा का समान महत्व है। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने बच्चों की रुचि, कल्पनाशीलता तथा सीखने की क्षमता को और बढ़ाएँगे। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि हर बच्चे को सुरक्षित, स्वच्छ, खुशहाल और शिक्षाप्रद वातावरण मिले। उन्होंने केंद्र में साफ–सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए स्वच्छता को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के समुचित विकास के लिए स्वच्छ वातावरण, गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ अत्यंत आवश्यक हैं। डॉ शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनु त्यागी, सीडीपीओ करंजाकला मंजू तिवारी, आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका, प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर के शिक्षक उपस्थित रहे।

पीयू का परीक्षा कैलेंडर जारी, १४ नवंबर से शुरू होंगी परीक्षाएं

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की परीक्षाओं को निर्धारित समय पर संपन्न कराने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। इस कैलेंडर में परीक्षा फॉर्म भरने, उनके सत्यापन और मुख्य सैद्धांतिक परीक्षाओं की तिथियां निर्धारित की गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य शैक्षणिक सत्र को नियमित रखते हुए परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना है। जारी परीक्षा कैलेंडर के अनुसार, विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म भरने और उनके सत्यापन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई है। इस निर्धारित अवधि में विद्यार्थियों को अपने परीक्षा फॉर्म भरने तथा संबंधित प्रक्रिया पूरी करने का अवसर मिलेगा। वहीं, विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों और संबंधित विभागों को निर्धारित समय के भीतर परीक्षा फॉर्म के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। विश्वविद्यालय की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, विभिन्न पाठ्यक्रमों की मुख्य सैद्धांतिक यानी लिखित परीक्षाएं 14 नवंबर 2026 से आयोजित की



जाएंगी। परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा से विद्यार्थियों को अपनी तैयारी व्यवस्थित करने और आगामी परीक्षाओं के लिए समय का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बीसीए, बीबीए, एलएलबी, बीएड, एमएड, बीपीएड, एलएलएम, बीएससी कृषि, एमएससी कृषि, बीपीईएस और बीएलआईबी पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक सूचना पर नजर रखनी होगी। परीक्षा कैलेंडर जारी होने के साथ ही विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा फॉर्म भरने की निर्धारित समय-सीमा का ध्यान रखें और अपने पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट तथा संबंधित महाविद्यालय से जारी सूचनाओं का नियमित अवलोकन करें।

पायनियर

पीयूः 14 नवंबर से शुरू होंगी परीक्षाएं

❖ 31 अक्टूबर तक भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म



पायनियर संवाददाता। जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की परीक्षाओं को निर्धारित समय पर संपन्न कराने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। इस कैलेंडर में परीक्षा फॉर्म भरने, उनके सत्यापन और मुख्य सैद्धांतिक परीक्षाओं की तिथियां निर्धारित की गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य शैक्षणिक सत्र को नियमित रखते हुए परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना है। जारी परीक्षा कैलेंडर के अनुसार, विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म भरने और उनके सत्यापन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई है। इस निर्धारित अवधि में विद्यार्थियों को अपने परीक्षा फॉर्म भरने तथा संबंधित प्रक्रिया पूरी करने का अवसर मिलेगा। वहीं, विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों और संबंधित विभागों को निर्धारित समय के भीतर परीक्षा फॉर्म के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। विश्वविद्यालय की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, विभिन्न पाठ्यक्रमों की मुख्य सैद्धांतिक यानी लिखित परीक्षाएं 14 नवंबर 2026 से आयोजित की जाएंगी। परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा से विद्यार्थियों को अपनी तैयारी व्यवस्थित करने और आगामी परीक्षाओं के लिए समय का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बीसीए, बीबीए, एलएलबी, बीएड, एमएड, बीपीएड, एलएलएम, बीएससी कृषि, एमएससी कृषि, बीपीईएस और बीएलआईबी पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा।

जनसंदेश टाइम्स

पूर्वांचल विश्वविद्यालय का परीक्षा कैलेंडर जारी, 14 नवंबर से शुरू होंगी परीक्षाएं

कार्यक्रम

31 अक्टूबर तक भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म



परीक्षा कैलेंडर जारी करते कुलपति

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की परीक्षाओं को निर्धारित समय पर संपन्न कराने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। इस कैलेंडर में परीक्षा फॉर्म भरने, उनके सत्यापन और मुख्य सैद्धांतिक परीक्षाओं की तिथियां निर्धारित की गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य शैक्षणिक सत्र को नियमित रखते हुए परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना है।

जारी परीक्षा कैलेंडर के अनुसार, विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म भरने और उनके सत्यापन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई है। इस निर्धारित अवधि में विद्यार्थियों को अपने परीक्षा फॉर्म भरने तथा संबंधित प्रक्रिया पूरी करने का अवसर मिलेगा। वहीं, विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों और संबंधित विभागों को निर्धारित समय के भीतर परीक्षा फॉर्म के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। विश्वविद्यालय की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, विभिन्न पाठ्यक्रमों की मुख्य सैद्धांतिक यानी लिखित परीक्षाएं 14 नवंबर 2026 से आयोजित की जाएंगी। परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा से विद्यार्थियों को अपनी तैयारी व्यवस्थित करने और आगामी परीक्षाओं के लिए समय का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बीसीए, बीबीए, एलएलबी, बीएड, एमएड, बीपीएड, एलएलएम, बीएससी कृषि, एमएससी कृषि, बीपीईएस और बीएलआईबी पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक सूचना पर नजर रखनी होगी। परीक्षा कैलेंडर जारी होने के साथ ही विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा फॉर्म भरने की निर्धारित समय-सीमा का ध्यान रखें और अपने पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी के लिए विवि की आधिकारिक वेबसाइट तथा संबंधित महाविद्यालय से जारी सूचनाओं का नियमित अवलोकन करें।

जनसंदेश टाइम्स

आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी : सोनिया सिंह



ग्राम सुल्तानपुर के बच्चों के साथ सोनिया सिंह।

जौनपुर। गोद लिए ग्राम सुल्तानपुर के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास को नया आयाम देते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा शनिवार को पुस्तकें, कहानी की किताबें तथा खिलौने प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने केंद्र की बाल विकास व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए बच्चों से आत्मीय संवाद किया और प्रारंभिक शिक्षा, पोषण एवं स्वच्छता पर बल दिया। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। उनका सर्वांगीण विकास केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा का समान महत्व है। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी है। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनु त्यागी, सीडीपीओ करंजाकला मंजू तिवारी, आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका, प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर के शिक्षक उपस्थित रहे।

तेजस टुडे

जौनपुर (यूपी) से प्रकाशित एवं लखनऊ व दिल्ली से संचालित तथा बिहार, झारखण्ड, तेलंगाना, महाराष्ट्र, हरियाणा और मध्य प्रदेश में प्रसारित।

भारत व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

तेजस टूडे

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नजर सब पर...

प्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन

पेज : 4

प्रधानमंत्री आवास योजना

जौनपुर, रविवार 25 अक्टूबर 2026 | मुख्य संस्करण (जौनपुर) | वर्ष : 17 | अंक :307| पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00 रु. | www.tejastoday.com

पूर्वांचल विश्वविद्यालय का परीक्षा कैलेण्डर जारी, 14 नवम्बर से शुरू होंगी परीक्षाएं

कैलेण्डर जारी

31 अक्टूबर तक भरे जायेंगे परीक्षा फॉर्म

तेजस टूडे ब्यूरो
शुभांशू जायसवाल



जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की परीक्षाओं को निर्धारित समय पर संपन्न कराने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। इस कैलेंडर में परीक्षा फॉर्म भरने, उनके सत्यापन और मुख्य सैद्धांतिक परीक्षाओं की तिथियां निर्धारित की गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य शैक्षणिक सत्र को नियमित रखते हुए परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना है।

जारी परीक्षा कैलेंडर के अनुसार विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म भरने और उनके सत्यापन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई है। इस निर्धारित अवधि में विद्यार्थियों को अपने परीक्षा फॉर्म भरने तथा संबंधित प्रक्रिया पूरी करने का अवसर मिलेगा। वहीं विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों और संबंधित विभागों को निर्धारित समय के भीतर परीक्षा फॉर्म के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

विवि की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों की मुख्य सैद्धांतिक यानी लिखित परीक्षाएं 14 नवंबर 2026 से आयोजित की जायेंगी। परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा से विद्यार्थियों को अपनी तैयारी व्यवस्थित करने और आगामी परीक्षाओं के लिए समय का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बीसीए, बीबीए, एलएलबी, बीएड, एमएड, बीपीएड, एलएलएम, बीएससी कृषि, एमएससी कृषि, बीपीईएस और बीएलआईबी पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक सूचना पर नजर रखनी होगी।

परीक्षा कैलेंडर जारी होने के साथ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह ने विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा फॉर्म भरने की निर्धारित समय-सीमा का ध्यान रखें और अपने पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट तथा संबंधित महाविद्यालय से जारी सूचनाओं का नियमित अवलोकन करें।

उम्मीद अआफ पब्लिक

हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

जौनपुर (उ.प्र.) से प्रकाशित

वर्ष 01, अंक 316
जौनपुर, रविवार
25 अक्टूबर, 2026
पृष्ठ 4, मूल्य 1 रूपया

उम्मीद ऑफ पब्लिक

www.ummidofpublic.com

PRGI Reg. No.: UPHIN/25/A4413



पेज : 2 बेटी बोझ नहीं, बल्कि राष्ट्र की शक्ति हैं...

डीएम व एसपी ने अग्निशमन केन्द्र मिहींपुरवा का किया निरीक्षण पेज : 3

पूविवि का परीक्षा कैलेण्डर जारी, 14 नवम्बर से शुरू होंगी परीक्षाएं

31 अक्टूबर तक भरे जायेंगे परीक्षा फॉर्म



उम्मीद ऑफ पब्लिक ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की परीक्षाओं को निर्धारित समय पर संपन्न कराने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। इस कैलेंडर में परीक्षा फॉर्म भरने, उनके सत्यापन और मुख्य सैद्धांतिक परीक्षाओं की तिथियां निर्धारित की गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य शैक्षणिक सत्र को नियमित रखते हुए परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना है। जारी परीक्षा कैलेंडर के अनुसार विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म भरने और उनके सत्यापन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई है। इस निर्धारित अवधि में विद्यार्थियों को अपने परीक्षा फॉर्म भरने तथा संबंधित प्रक्रिया पूरी करने का अवसर मिलेगा। वहीं विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों और संबंधित विभागों को निर्धारित समय के भीतर परीक्षा फॉर्म के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। विवि की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों की मुख्य सैद्धांतिक यानी लिखित परीक्षाएं 14 नवंबर 2026 से आयोजित की जायेंगी। परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा से विद्यार्थियों को अपनी तैयारी व्यवस्थित करने और आगामी परीक्षाओं के लिए समय का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बीसीए, बीबीए, एलएलबी, बीएड, एमएड, बीपीएड, एलएलएम, बीएससी कृषि, एमएससी कृषि, बीपीईएस और बीएलआईबी पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक सूचना पर नजर रखनी होगी। परीक्षा कैलेंडर जारी होने के साथ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह ने विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा फॉर्म भरने की निर्धारित समय-सीमा का ध्यान रखें और अपने पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट तथा संबंधित महाविद्यालय से जारी सूचनाओं का नियमित अवलोकन करें।

देवब्रत

पूर्वांचल विश्वविद्यालय का परीक्षा कैलेंडर किया गया जारी, 14 नवंबर से होंगी परीक्षाएं

ई व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का कार्यक्रम अलग से होगा जारी



जौनपुर, 24 अक्टूबर (देवव्रत संवाद)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 का परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है।कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार मुख्य सैद्धांतिक परीक्षाएं 14 नवंबर से शुरू होंगी, जबकि परीक्षा फॉर्म भरने और उनके सत्यापन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है।विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबद्ध महाविद्यालयों और विभागों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर परीक्षा फॉर्म का सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। परीक्षा कैलेंडर जारी होने से विद्यार्थियों को तैयारी के लिए समय-सारिणी निर्धारित करने में सहूलियत होगी। हालांकि बीसीए, बीबीए, एलएलबी, बीएड, एमएड, बीपीएड, एलएलएम, बीएससी कृषि, एमएससी कृषि, बीपीईएस और बीएलआईबी पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का कार्यक्रम अलग से घोषित किया जाएगा।परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर परीक्षा फॉर्म भरने और विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट तथा संबंधित महाविद्यालयों से जारी सूचनाओं पर नजर रखने की सलाह दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन का लक्ष्य परीक्षाओं के साथ मूल्यांकन और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया भी समयबद्ध ढंग से पूरी करना है।

फिलीपींस में 2 देसी विमान टकराए

निदेशक नियोजन एवं विकास बने प्रो. रजनीश भास्कर

कौटिल्य का भारत

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कैंपस इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और रखरखाव को लेकर महत्वपूर्ण नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। विश्वविद्यालय की व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर को तत्काल प्रभाव से 'निदेशक, नियोजन एवं विकास (सिविल एवं विद्युत कार्य)' का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

जारी आदेश के अनुसार, प्रो. रजनीश भास्कर अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ परिसर में सिविल और विद्युत अवसंरचना के नियोजन, नए निर्माण, संचालन, तकनीकी परीक्षण और मरम्मत कार्यों का पूरा समन्वय संभालेंगे। इसके साथ ही कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय की 'भवन एवं निर्माण समिति' के गठन, पुनर्गठन और बैठकों की रूपरेखा तैयार कर निर्णय लागू कराने का काम भी देखेंगे। कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के लिए निदेशक के अधीन एक विशेष टीम का गठन किया गया है। इस टीम में परामर्शी अधिशासी अभियंता आर. के. सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. सौरभ वी. कुमार, इंजीनियर मनीष गुप्ता, इंजीनियर धीरेन्द्र यादव, वरिष्ठ आशुलिपिक जितेन्द्र पाण्डेय व कनिष्ठ सहायक हरि शंकर यादव तथा नितिन यादव को संबद्ध किया गया है।



आदेश के तहत निर्माण कार्यों की समयसीमा, गुणवत्ता, लागत और ऊर्जा संरक्षण पर विशेष नजर रखी जाएगी। योजना के अनुसार हर माह स्वीकृत लागत, व्यय, भौतिक प्रगति और सुधारात्मक कदमों से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट कुलसचिव के माध्यम से कुलपति के समक्ष समीक्षा हेतु प्रस्तुत की जाएगी।

कौटिल्य का भारत

आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी: सोनिया सिंह

आंगनबाड़ी केंद्र को पीयू ने दिए पुस्तकें

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। गोद लिए ग्राम सुल्तानपुर के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास को नया आयाम देते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा शनिवार को पुस्तकें, कहानी की किताबें तथा खिलौने प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने केंद्र की बाल विकास व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए बच्चों से आत्मीय संवाद किया और प्रारंभिक शिक्षा, पोषण एवं स्वच्छता पर बल दिया। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। उनका सर्वांगीण विकास केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा का समान महत्व है। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने बच्चों की रुचि, कल्पनाशीलता तथा सीखने की क्षमता को और बढ़ाएँगे। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि हर बच्चे को सुरक्षित, स्वच्छ, खुशहाल और शिक्षाप्रद वातावरण मिले। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र पर उपलब्ध बाल विकास सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में उपस्थित सहायिका से संवाद स्थापित कर केंद्र की व्यवस्थाओं एवं बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान श्रीमती सोनिया सिंह को बच्चों ने उत्साहपूर्वक कहानी और कविता सुनाई। उन्होंने बच्चों के पठन-पाठन का भी अवलोकन किया और उनकी सीखने की क्षमता, प्रारंभिक शिक्षा तथा बाल विकास से जुड़ी गतिविधियों को देखा। उन्होंने केंद्र में साफ-सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए स्वच्छता को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के समुचित विकास के लिए स्वच्छ वातावरण, गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनु त्यागी, सीडीपीओ करंजाकला मंजू तिवारी, आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका, प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर के शिक्षक उपस्थित रहे।

जौनपुर
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
कौटिल्य का भारत

पीयू का परीक्षा कैलेंडर जारी, 14 नवंबर से शुरू होंगी परीक्षाएं

31 अक्टूबर तक भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की परीक्षाओं को निर्धारित समय पर संपन्न कराने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। इस कैलेंडर में परीक्षा फॉर्म भरने, उनके सत्यापन और मुख्य सैद्धांतिक परीक्षाओं की तिथियां निर्धारित की गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य शैक्षणिक सत्र को नियमित रखते हुए परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना है जारी परीक्षा कैलेंडर के अनुसार, विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म भरने और उनके सत्यापन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई है। इस निर्धारित अवधि में विद्यार्थियों को अपने परीक्षा फॉर्म भरने तथा संबंधित प्रक्रिया पूरी करने का अवसर मिलेगा। वहीं, विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों और संबंधित विभागों को निर्धारित समय के भीतर परीक्षा फॉर्म के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। विश्वविद्यालय की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, विभिन्न पाठ्यक्रमों की मुख्य सैद्धांतिक यानी लिखित परीक्षाएं 14 नवंबर 2026 से आयोजित की जाएंगी। परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा से विद्यार्थियों को अपनी तैयारी व्यवस्थित करने और आगामी परीक्षाओं के लिए समय का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बीसीए, बीबीए, एलएलबी, बीएड, एमएड, बीपीएड, एलएलएम, बीएससी कृषि, एमएससी कृषि, बीपीईएस और बीएलआईबी पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक सूचना पर नजर रखनी होगी। परीक्षा कैलेंडर जारी होने के साथ ही विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा फॉर्म भरने की निर्धारित समय-सीमा का ध्यान रखें और अपने पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट तथा संबंधित महाविद्यालय से जारी सूचनाओं का नियमित अवलोकन करें।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सेंट्रलिटी मेजर पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. आर के सिंह जी की प्रेरणा और संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में छात्रों के लिए एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ऋषि रंजन सिंह उपस्थित रहे। डॉ. ऋषि रंजन सिंह ने सेंट्रलिटी मेजर जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपना विस्तृत और ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि सेंट्रलिटी मेजर नेटवर्क साइंस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो किसी भी नेटवर्क में सबसे महत्वपूर्ण नोड की पहचान करने में मदद करता है। उन्होंने सेंट्रलिटी के विभिन्न प्रकारों जैसे डिग्री सेंट्रलिटी, बिटवीननेस सेंट्रलिटी, क्लोजनेस सेंट्रलिटी और ईजेनवेक्टर सेंट्रलिटी को विस्तार से समझाया। डॉ. सिंह ने इस सिद्धांत के रियल लाइफ में उपयोगों को बहुत ही रोचक तरीके से समझाया। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर पर कौन सबसे प्रभावशाली व्यक्ति है, इसका पता लगाने के लिए कंपनियां ईजेनवेक्टर और डिग्री सेंट्रलिटी का उपयोग करती हैं। इसी प्रकार गूगल का प्रसिद्ध पेजरैंक एल्गोरिदम भी सेंट्रलिटी पर ही आधारित है, जो यह तय करता है कि सर्च करने पर कौन सी वेबसाइट सबसे ऊपर आएगी। उन्होंने एक और महत्वपूर्ण उदाहरण देते हुए बताया कि कोरोना महामारी के दौरान यह पता लगाने के लिए कि किस व्यक्ति के संपर्क में आने से संक्रमण सबसे तेजी से फैल सकता है, वैज्ञानिकों ने बिटवीननेस सेंट्रलिटी का उपयोग किया था, ताकि ऐसे लोगों को आइसोलेट किया जा सके। साथ ही परिवहन व्यवस्था में यह पता लगाने के लिए कि किसी शहर का कौन सा चौराहा, रेलवे स्टेशन या एयरपोर्ट सबसे महत्वपूर्ण है, जहां से सबसे ज्यादा रास्ते जुड़ते हैं, क्लोजनेस सेंट्रलिटी का उपयोग किया जाता है। बैंकिंग फ्रॉड का पता लगाने और बिजली ग्रिड में सबसे संवेदनशील पॉइंट को खोजने में भी इसका उपयोग होता है। इस व्याख्यान में इंजीनियरिंग संकाय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और उन्होंने पूरे मनोयोग से व्याख्यान सुना। छात्रों ने अंत में विषय से संबंधित प्रश्न भी पूछे, जिनका डॉ. सिंह ने बड़ी सहजता से उत्तर दिया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिव्येन्दु मिश्रा ने किया।

तरुण मित्र

णमित्र

25 अक्टूबर 2026

पूविवि में सेंट्रलिटी मेजर पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

तरूणमित्र न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर के सिंह की प्रेरणा और संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में छात्रों के लिए एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ऋषि रंजन सिंह उपस्थित रहे। डॉ. ऋषि रंजन सिंह ने सेंट्रलिटी मेजर जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपना विस्तृत और ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि सेंट्रलिटी मेजर नेटवर्क साइंस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो किसी भी नेटवर्क में सबसे महत्वपूर्ण नोड की पहचान करने में मदद करता है। उन्होंने सेंट्रलिटी के विभिन्न प्रकारों जैसे डिग्री सेंट्रलिटी, बिटवीननेस सेंट्रलिटी, क्लोजनेस सेंट्रलिटी और ईजेनवेक्टर सेंट्रलिटी को विस्तार से समझाया। डॉ. सिंह ने इस सिद्धांत के रियल लाइफ में उपयोगों को बहुत ही रोचक तरीके से समझाया। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर पर कौन सबसे प्रभावशाली व्यक्ति है, इसका पता लगाने के लिए कंपनियां ईजेनवेक्टर और डिग्री सेंट्रलिटी का उपयोग करती हैं। इसी प्रकार गूगल का प्रसिद्ध पेजरैंक एल्गोरिदम भी सेंट्रलिटी पर ही आधारित है, जो यह तय करता है कि सर्च करने पर कौन सी वेबसाइट सबसे ऊपर आएगी। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिव्येन्दु मिश्रा ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सौरभ पाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि डॉ. ऋषि रंजन सिंह का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा मुख्य वक्ता का परिचय प्रियंका जायसवाल ने प्रस्तुत किया। अंत में संयोजक डॉ. दिव्येन्दु मिश्रा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में कंप्यूटर एप्लीकेशन के विभागाध्यक्ष पंकज कुमार सहित प्रो नूपुर गोयल, डॉ. मुनींद्र सिंह, डॉ प्रशांत यादव, प्रवीण पाण्डेय, सौरभ सिंह, डॉ मिथिलेश पाण्डेय, अवधेश यादव, आदित्य कुमार आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

आरएन टैगोर हॉस्पिटल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आज

तरूणमित्र न्यूज

जौनपुर। अत्याधुनिक सविधाओं से युक्त एवं जनपद ही नहीं बल्कि पूर्वांचल के हॉस्पिटलों में सुमार शहर के सुक्खीपुर, बोदकरपुर स्थित आरएन टैगोर हॉस्पिटल एण्ड डायग्नोस्टिक सेंटर में रविवार को नि:शुल्क महिला स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में महिलाओं में मासिक समस्या, बार-बार गर्भपात, सफेद पानी, गर्भधारण में कठिनाई, डिलिवरी के पूर्व और बाद में आने वाली कठिनाईयों समेत महिलाओं के समस्त स्वास्थ्य संबंधी विकारों की जानकारी देने के साथ आवश्यक दवाएं भी दी जाएगी। सुबह दो से दोपहर दो बजे तक चलने वाले शिविर में ब्लड सूगर, यूरिक ऐसिड, एण्ड लिपिड प्रोफाइल की नि:शुल्क एवं अन्य जांचों पर पूरे पचास प्रतिशत की भारी छूट रहेगी।

हॉस्पिटल के संचालक एवं शिक्षाविद् डा.पीके सिंह ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए अपेक्षा की है कि उक्त बीमारी से संबंधित महिलाएं समय से उपस्थित होकर स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाए। शिविर में जनपद की जानी-मानी महिला रोग विशेषज्ञ डा0 जोया कुलसुम के अलावा अन्य कई चिकित्सक भी मौजूद रहेंगे।

अमर भारती

आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी: सोनिया

अमर भारती ब्यूरो

♦ आंगनबाड़ी केंद्र को पीयू ने दिए पुस्तकें, खिलौने
♦ गोद लिए ग्राम सुल्तानपुर के बच्चों के साथ सोनिया सिंह ने किया संवाद

जौनपुर। गोद लिए ग्राम सुल्तानपुर के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास को नया आयाम देते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा शनिवार को पुस्तकें, कहानी की किताबें तथा खिलौने प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने केंद्र की बाल विकास व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए बच्चों से आत्मीय संवाद किया और प्रारंभिक शिक्षा, पोषण एवं स्वच्छता पर बल दिया। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। उनका सर्वांगीण विकास केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा का समान महत्व है। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने बच्चों की रुचि, कल्पनाशीलता तथा सीखने की क्षमता को और बढ़ाएँगे। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि हर बच्चे को सुरक्षित, स्वच्छ, खुशहाल और शिक्षाप्रद वातावरण मिले। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र पर उपलब्ध बाल विकास सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में उपस्थित सहायिका से संवाद स्थापित कर केंद्र की व्यवस्थाओं एवं बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।

भ्रमण के दौरान श्रीमती सोनिया सिंह को बच्चों ने उत्साहपूर्वक कहानी और कविता सुनाई। उन्होंने बच्चों के पठन-पाठन का भी अवलोकन किया और उनकी सीखने की क्षमता, प्रारंभिक शिक्षा तथा बाल विकास से जुड़ी गतिविधियों को देखा। उन्होंने केंद्र में साफ-सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए स्वच्छता को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के समुचित विकास के लिए स्वच्छ वातावरण, गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनु त्यागी, सीडीपीओ करंजाकला मंजू तिवारी, आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका, प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर के शिक्षक उपस्थित रहे।

नेत्र शिविर में 235 मरीजों की जांच, 16 को ऑपरेशन के लिए भेजा

भेटुआ/अमेठी। भेटुआ ब्लॉक के कड़ेरगांव पंचायत भवन में सती महारानी जनकल्याण समिति और अमेठी आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में नेत्र शिविर आयोजित किया गया। इसमें 235 मरीजों की आंखों की जांच कर निःशुल्क चश्मे, चिकित्सकीय परामर्श और प्राथमिक उपचार दिया गया। वहीं, मोतियाबिंद से पीड़ित 16 मरीजों को ऑपरेशन के लिए अमेठी आई हॉस्पिटल भेजा गया। शिविर में पूर्व विधायक महारानी गरिमा सिंह के पुत्र अनंत विक्रम सिंह और उनकी पत्नी शांभवी सिंह मौजूद रहीं। अनंत विक्रम सिंह ने कहा कि समिति गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। शांभवी सिंह ने जरूरतमंदों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने को जनसेवा का उद्देश्य बताया।

जौनपुर धारा

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की मुख्य परीक्षाएं 14 नवंबर से, फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर



जौनपुर धारा, जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की परीक्षाओं को समयबद्ध ढंग से कराने के लिए परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों की मुख्य सैद्धांतिक परीक्षाएं 14 नवंबर 2026 से शुरू होंगी। वहीं, परीक्षा फॉर्म भरने और उनके सत्यापन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की ओर से जारी कैलेंडर के तहत विद्यार्थियों को निर्धारित समय के भीतर परीक्षा फॉर्म भरना होगा। संबद्ध महाविद्यालयों और संबंधित विभागों को भी तय समयसीमा में फॉर्मों का सत्यापन पूरा करना है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित करना है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बीसीए, बीबीए, एलएलबी, बीएड, एमएड, बीपीएड, एलएलएम, बीएससी कृषि, एमएससी कृषि, बीपीईएस और बीएलआईबी पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को सलाह दी है कि वे अंतिम तिथि से पहले फॉर्म भरने और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर लें। परीक्षा कार्यक्रम और अन्य दिशा-निर्देशों के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट तथा संबंधित महाविद्यालयों की सूचनाओं पर नजर बनाए रखें।

जौनपुर धारा

पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने आंगनबाड़ी केंद्र को दीं पुस्तकें और खिलौने

गोद लिए गांव सुल्तानपुर में बच्चों से संवाद, शिक्षा-पोषण और स्वच्छता पर दिया जोर



जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने अपने गोद लिए गांव सुल्तानपुर के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के सीखने और रचनात्मक विकास को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने वितरित किए। इस दौरान सोनिया सिंह ने केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बच्चों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक गतिविधियों को देखा।

उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रारंभिक शिक्षा के साथ पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं और स्वच्छ वातावरण भी जरूरी हैं। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास की आधारशिला हैं। पुस्तकें और खिलौने बच्चों में पढ़ने की रुचि, कल्पनाशीलता और सीखने की क्षमता विकसित करने में सहायक होंगे।

निरीक्षण के दौरान बच्चों ने कहानी और कविता सुनाई। श्रीमती सिंह ने उनके पठन-पाठन का अवलोकन किया तथा केंद्र की सहायिका से उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने साफ-सफाई को बेहतर बनाए रखने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनु त्यागी, करंजाकला की सीडीपीओ मंजू तिवारी, आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका और प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर के शिक्षक उपस्थित रहे।

पीयू का परीक्षा कैलेंडर जारी, 14 नवंबर से शुरू होंगी परीक्षाएं

पूर्वांचल लाईफ

जौनपुर।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की परीक्षाओं को निर्धारित समय पर संपन्न कराने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। इस कैलेंडर में परीक्षा फॉर्म भरने, उनके सत्यापन और मुख्य सैद्धांतिक परीक्षाओं की तिथियां निर्धारित की गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य शैक्षणिक सत्र को नियमित रखते हुए परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना है। जारी परीक्षा कैलेंडर के अनुसार, विद्यार्थियों



के परीक्षा फॉर्म भरने और उनके सत्यापन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई है। इस निर्धारित अवधि में विद्यार्थियों को अपने परीक्षा फॉर्म भरने तथा संबंधित प्रक्रिया पूरी करने का अवसर मिलेगा। वहीं, विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों और संबंधित विभागों को निर्धारित समय के भीतर परीक्षा फॉर्म के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। विश्वविद्यालय की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, विभिन्न पाठ्यक्रमों की मुख्य

- 31 अक्टूबर तक भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म

सैद्धांतिक यानी लिखित परीक्षाएं 14 नवंबर 2026 से आयोजित की जाएंगी। परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा से विद्यार्थियों को अपनी तैयारी व्यवस्थित करने और आगामी परीक्षाओं के लिए समय का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बीसीए, बीबीए, एलएलबी, बीएड, एमएड, बीपीएड, एलएलएम, बीएससी कृषि, एमएससी कृषि, बीपीईएस और बीएलआईबी पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक सूचना पर नजर रखनी होगी। परीक्षा कैलेंडर जारी होने के साथ ही विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा फॉर्म भरने की निर्धारित समय-सीमा का ध्यान रखें और अपने पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट तथा संबंधित महाविद्यालय से जारी सूचनाओं का नियमित अवलोकन करें।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सेंट्रलिटी मेजर पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

पूर्वांचल लाईफ

जौनपुर।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. आर के सिंह जी की प्रेरणा और संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में छात्रों के लिए एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ऋषि रंजन सिंह उपस्थित रहे। डॉ. ऋषि रंजन सिंह ने सेंट्रलिटी मेजर जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपना विस्तृत और ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि सेंट्रलिटी मेजर नेटवर्क साइंस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो किसी भी नेटवर्क में सबसे महत्वपूर्ण नोड की पहचान करने में मदद करता है। उन्होंने सेंट्रलिटी के विभिन्न प्रकारों जैसे डिग्री सेंट्रलिटी, बिटवीननेस सेंट्रलिटी, क्लोजनेस



सेंट्रलिटी और ईजेनवेक्टर सेंट्रलिटी को विस्तार से समझाया। डॉ. सिंह ने इस सिद्धांत के रियल लाइफ में उपयोगों को बहुत ही रोचक तरीके से समझाया। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर पर कौन सबसे प्रभावशाली व्यक्ति है, इसका पता लगाने के लिए कंपनियां ईजेनवेक्टर और डिग्री सेंट्रलिटी का उपयोग करती हैं। इसी प्रकार गूगल का प्रसिद्ध पेजरैंक एल्गोरिदम भी सेंट्रलिटी पर ही आधारित है, जो यह तय करता है कि सर्च करने पर कौन सी वेबसाइट सबसे ऊपर आएगी। उन्होंने एक और महत्वपूर्ण उदाहरण देते हुए बताया कि कोरोना महामारी के दौरान यह पता लगाने के लिए कि किस व्यक्ति के संपर्क में आने से संक्रमण सबसे तेजी से फैल सकता है, वैज्ञानिकों ने बिटवीननेस सेंट्रलिटी का उपयोग किया था, ताकि ऐसे लोगों को आइसोलेट किया जा सके। साथ ही परिवहन व्यवस्था में यह पता लगाने के लिए कि किसी शहर का कौन सा चौराहा, रेलवे स्टेशन या एयरपोर्ट सबसे महत्वपूर्ण है, जहां से सबसे ज्यादा रास्ते जुड़ते हैं, क्लोजनेस सेंट्रलिटी का उपयोग किया जाता है। बैंकिंग फ्रॉड का पता लगाने और बिजली ग्रिड में सबसे संवेदनशील पॉइंट को खोजने में भी इसका उपयोग होता है। इस व्याख्यान में इंजीनियरिंग संकाय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और उन्होंने पूरे मनोयोग से व्याख्यान सुना। छात्रों ने अंत में विषय से संबंधित प्रश्न भी पूछे, जिनका डॉ. सिंह ने बड़ी सहजता से उत्तर दिया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिव्येन्दु मिश्रा ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सौरभ पाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि डॉ. ऋषि रंजन सिंह का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा मुख्य वक्ता का परिचय प्रियंका जायसवाल ने प्रस्तुत किया। अंत में संयोजक डॉ. दिव्येन्दु मिश्रा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में कंप्यूटर एप्लीकेशन के विभागाध्यक्ष पंकज कुमार सहित प्रो नूपुर गोयल, डॉ. मुनींद्र सिंह, डॉ प्रशांत यादव, प्रवीण पांडे, सौरभ सिंह, डॉ मिथिलेश पांडे, अवधेश यादव, आदित्य कुमार आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

पूर्वांचल लाईफ

आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ीः सोनिया सिंह

पूर्वांचल लाईफ

- आंगनबाड़ी केंद्र को पीयू ने दिए पुस्तकें, खिलौने
- गोद लिए ग्राम सुल्तानपुर के बच्चों के साथ श्रीमती सोनिया सिंह ने किया संवाद



जौनपुर।गोद लिए ग्राम सुल्तानपुर के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास को नया आयाम देते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा शनिवार को पुस्तकें, कहानी की किताबें तथा खिलौने प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने केंद्र की बाल विकास व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए बच्चों से आत्मीय संवाद किया और प्रारंभिक शिक्षा, पोषण एवं स्वच्छता पर बल दिया। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। उनका सर्वांगीण विकास केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा का समान महत्व है। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने बच्चों की रुचि, कल्पनाशीलता तथा सीखने की क्षमता को और बढ़ाएँगे। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि हर बच्चे को सुरक्षित, स्वच्छ, खुशहाल और शिक्षाप्रद वातावरण मिले। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र पर उपलब्ध बाल विकास सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में उपस्थित सहायिका से संवाद स्थापित कर केंद्र की व्यवस्थाओं एवं बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान श्रीमती सोनिया सिंह को बच्चों ने उत्साहपूर्वक कहानी और कविता सुनाई। उन्होंने बच्चों के पठन-पाठन का भी अवलोकन किया और उनकी सीखने की क्षमता, प्रारंभिक शिक्षा तथा बाल विकास से जुड़ी गतिविधियों को देखा। उन्होंने केंद्र में साफ-सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए स्वच्छता को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के समुचित विकास के लिए स्वच्छ वातावरण, गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनु त्यागी, सीडीपीओ करंजाकला मंजू तिवारी, आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका, प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर के शिक्षक उपस्थित रहे।

उत्तर शक्ति

आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी: सोनिया सिंह

पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने आंगनबाड़ी केंद्र को भेंट कीं पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने

गोद लिए ग्राम सुल्तानपुर में बच्चों से किया संवाद, प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और स्वच्छता पर दिया जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की ओर से गोद लिए गए ग्राम सुल्तानपुर के आंगनबाड़ी केंद्र में शनिवार को बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने आंगनबाड़ी केंद्र का भ्रमण कर बच्चों से संवाद किया तथा प्रारंभिक शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया।

इस दौरान श्रीमती सोनिया सिंह ने कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं और उनके सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा के साथ-साथ पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं तथा स्वच्छ वातावरण भी बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी है। यहां बच्चों को खेल-खेल में सीखने, अपनी प्रतिभा निखारने और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से उपलब्ध कराई गई पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने बच्चों में पढ़ने की रुचि, कल्पनाशीलता तथा सीखने की क्षमता को बढ़ाने में सहायक होंगे। समाज के प्रत्येक व्यक्ति और संस्था को बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ, खुशहाल और शिक्षाप्रद वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

भ्रमण के दौरान श्रीमती सोनिया सिंह ने आंगनबाड़ी केंद्र में उपलब्ध



सुविधाओं और बाल विकास से जुड़ी गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र की सहायिका से बातचीत कर बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, प्रारंभिक शिक्षा और पोषण संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केंद्र में साफ-सफाई की स्थिति का निरीक्षण करते हुए स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर बल दिया।

इस अवसर पर बच्चों ने उत्साहपूर्वक कहानी और कविताएं सुनाईं। श्रीमती सोनिया सिंह ने बच्चों के पठन-पाठन का अवलोकन किया और उनकी सीखने की क्षमता तथा शैक्षिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बचपन में मिलने वाला उचित मार्गदर्शन बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए आंगनबाड़ी केंद्रों पर शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ी सुविधाओं को बेहतर बनाना आवश्यक है। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनु त्यागी, सीडीपीओ करंजाकला मंजू तिवारी, आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका तथा प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर के शिक्षक उपस्थित रहे।

उत्तर शक्ति

निदेशक नियोजन एवं विकास बने प्रो. रजनीश भास्कर

पूर्वांचल विवि में सिविल और विद्युत कार्यों की मिली कमान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कैंपस इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और रखरखाव को लेकर महत्वपूर्ण नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। विश्वविद्यालय की व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर को तत्काल प्रभाव से 'निदेशक, नियोजन एवं विकास (सिविल एवं विद्युत कार्य)' का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

जारी आदेश के अनुसार, प्रो. रजनीश भास्कर अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ परिसर में सिविल और विद्युत अवसंरचना के नियोजन, नए निर्माण, संचालन, तकनीकी परीक्षण और मरम्मत कार्यों का पूरा समन्वय संभालेंगे। इसके साथ ही कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निदेर्शानुसार विश्वविद्यालय की 'भवन एवं निर्माण समिति' के गठन, पुनर्गठन और बैठकों की रूपरेखा तैयार कर निर्णय लागू कराने का काम भी देखेंगे।

कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के लिए निदेशक के अधीन एक विशेष टीम का गठन किया गया है। इस टीम में परामर्शी अधिशासी अभियंता आर. के. सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. सौरभ वी. कुमार, इंजीनियर मनीष गुप्ता, इंजीनियर धीरेन्द्र यादव, वरिष्ठ आशुलिपिक जितेन्द्र पाण्डेय व कनिष्ठ सहायक हरि शंकर यादव तथा नितिन यादव को संबद्ध किया गया है।

आदेश के तहत निर्माण कार्यों की समयसीमा, गुणवत्ता, लागत और ऊर्जा संरक्षण पर विशेष नजर रखी जाएगी। योजना के अनुसार हर माह स्वीकृत लागत, व्यय, भौतिक प्रगति और सुधारात्मक कदमों से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट कुलसचिव के माध्यम से कुलपति के समक्ष समीक्षा हेतु प्रस्तुत की जाएगी।

उत्तर शक्ति

पीयू का परीक्षा कैलेंडर जारी, 14 नवंबर से शुरू होंगी परीक्षाएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की परीक्षाओं को निर्धारित समय पर संपन्न कराने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। इस कैलेंडर में परीक्षा फॉर्म भरने, उनके सत्यापन और मुख्य सैद्धांतिक परीक्षाओं की तिथियां निर्धारित की गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य शैक्षणिक सत्र को नियमित रखते हुए परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना है।

जारी परीक्षा कैलेंडर के अनुसार, विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म भरने और उनके सत्यापन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई है। इस निर्धारित अवधि में विद्यार्थियों को अपने परीक्षा फॉर्म भरने तथा संबंधित प्रक्रिया पूरी करने का अवसर मिलेगा। वहीं, विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों और संबंधित विभागों को निर्धारित समय के भीतर परीक्षा फॉर्म के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

विश्वविद्यालय की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, विभिन्न पाठ्यक्रमों की मुख्य सैद्धांतिक यानी लिखित परीक्षाएं 14 नवंबर 2026 से आयोजित की जाएंगी। परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा से विद्यार्थियों को अपनी तैयारी व्यवस्थित करने और आगामी परीक्षाओं के लिए समय का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी।

31 अक्टूबर तक भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बीसीए, बीबीए, एलएलबी, बीएड, एमएड, बीपीएड, एलएलएम, बीएससी कृषि, एमएससी कृषि, बीपीईएस और बीएलआईबी पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक सूचना पर नजर रखनी होगी।

परीक्षा कैलेंडर जारी होने के साथ ही विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा फॉर्म भरने की निर्धारित समय-सीमा का ध्यान रखें और अपने पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट तथा संबंधित महाविद्यालय से जारी सूचनाओं का नियमित अवलोकन करें।

लोक भारती

आंगनबाड़ी केंद्र को विवि ने दीं पुस्तकें, खिलौने



लोकभारती न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। गोद लिए ग्राम सुल्तानपुर के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा शनिवार को पुस्तकें, कहानी की किताबें तथा खिलौने प्रदान किए गए।

इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने केंद्र की बाल विकास व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए बच्चों से आत्मीय संवाद किया और प्रारंभिक शिक्षा, पोषण एवं स्वच्छता पर बल दिया। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं।

उनका सर्वांगीण विकास केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा का समान महत्व है। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने बच्चों की रुचि, कल्पनाशीलता तथा सीखने की क्षमता को और बढ़ाएँगे। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि हर बच्चे को सुरक्षित, स्वच्छ, खुशहाल और शिक्षाप्रद वातावरण मिले। उन्होंने केंद्र में साफ-सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए स्वच्छता को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के समुचित विकास के लिए स्वच्छ वातावरण, गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ अत्यंत आवश्यक हैं। डॉ शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनु त्यागी, सीडीपीओ करंजाकला मंजू तिवारी, आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका, प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर के शिक्षक उपस्थित रहे।

लोक भारती

निदेशक नियोजन व विकास बने रजनीश भास्कर

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कैंपस इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और रखरखाव को लेकर महत्वपूर्ण नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। विश्वविद्यालय की व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर को तत्काल प्रभाव से शिनदेशक, नियोजन एवं विकास सिविल एवं विद्युत कार्य श् का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जारी आदेश के अनुसार, प्रो. रजनीश भास्कर अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ परिसर में सिविल और विद्युत अवसंरचना के नियोजन, नए निर्माण, संचालन, तकनीकी परीक्षण और मरम्मत कार्यों का पूरा समन्वय संभालेंगे। इसके साथ ही कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय की श्भवन एवं निर्माण समितिश् के गठन, पुनर्गठन और बैठकों की रूपरेखा तैयार कर निर्णय लागू कराने का काम भी देखेंगे।कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के लिए निदेशक के अधीन एक विशेष टीम का गठन किया गया है। इस टीम में परामर्शी अधिशासी अभियंता आर. के. सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. सौरभ वी. कुमार, इंजीनियर मनीष गुप्ता, इंजीनियर धीरेन्द्र यादव, वरिष्ठ आशुलिपिक जितेन्द्र पाण्डेय व कनिष्ठ सहायक हरि शंकर यादव तथा नितिन यादव को संबद्ध किया गया है। आदेश के तहत निर्माण कार्यों की समयसीमा, गुणवत्ता, लागत और ऊर्जा संरक्षण पर विशेष नजर रखी जाएगी। योजना के अनुसार हर माह स्वीकृत लागत, व्यय, भौतिक प्रगति और सुधारात्मक कदमों से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट कुलसचिव के माध्यम से कुलपति के समक्ष समीक्षा हेतु प्रस्तुत की जाएगी।

न्यायाधीश

आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी: सोनिया सिंह



जौनपुर। गोद लिए ग्राम सुल्तानपुर के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास को नया आयाम देते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा शनिवार को पुस्तकें, कहानी की किताबें तथा खिलौने प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने केंद्र की बाल विकास व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए बच्चों से आत्मीय संवाद किया और प्रारंभिक शिक्षा, पोषण एवं स्वच्छता पर बल दिया। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। उनका सर्वांगीण विकास केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा का समान महत्व है। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने बच्चों की रुचि, कल्पनाशीलता तथा सीखने की क्षमता को और बढ़ाएँगे। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि हर बच्चे को सुरक्षित, स्वच्छ, खुशहाल और शिक्षाप्रद वातावरण मिले। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र पर उपलब्ध बाल विकास सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में उपस्थित सहायिका से संवाद स्थापित कर केंद्र की व्यवस्थाओं एवं बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान श्रीमती सोनिया सिंह को बच्चों ने उत्साहपूर्वक कहानी और कविता सुनाई। उन्होंने बच्चों के पठन-पाठन का भी अवलोकन किया और उनकी सीखने की क्षमता, प्रारंभिक शिक्षा तथा बाल विकास से जुड़ी गतिविधियों को देखा। उन्होंने केंद्र में साफ-सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए स्वच्छता को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डॉ. अनु त्यागी, सीडीपीओ करंजाकला मंजू तिवारी, आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका, प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर के शिक्षक उपस्थित रहे।

निदेशक नियोजन एवं विकास बने प्रो. रजनीश भास्कर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कैंपस इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और रखरखाव को लेकर महत्वपूर्ण नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। विश्वविद्यालय की व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर को तत्काल प्रभाव से 'निदेशक, नियोजन एवं विकास (सिविल एवं विद्युत कार्य)' का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जारी आदेश के अनुसार, प्रो. रजनीश भास्कर अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ परिसर में सिविल और विद्युत अवसंरचना के नियोजन, नए निर्माण, संचालन, तकनीकी परीक्षण और मरम्मत कार्यों का पूरा समन्वय संभालेंगे। इसके साथ ही कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय की 'भवन एवं निर्माण समिति' के गठन, पुनर्गठन और बैठकों की रूपरेखा तैयार कर निर्णय लागू कराने का काम भी देखेंगे। कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के लिए निदेशक के अधीन एक विशेष टीम का गठन किया गया है। इस टीम में परामर्शी अधिशासी अभियंता आर. के. सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. सौरभ वी. कुमार, इंजीनियर मनीष गुप्ता, इंजीनियर धीरेन्द्र यादव, वरिष्ठ आशुलिपिक जितेन्द्र पाण्डेय व कनिष्ठ सहायक हरि शंकर यादव तथा नितिन यादव को संबद्ध किया गया है। आदेश के तहत निर्माण कार्यों की समयसीमा, गुणवत्ता, लागत और ऊर्जा संरक्षण पर विशेष नजर रखी जाएगी। योजना के अनुसार हर माह स्वीकृत लागत, व्यय, भौतिक प्रगति और सुधारात्मक कदमों से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट कुलसचिव के माध्यम से कुलपति के समक्ष समीक्षा हेतु प्रस्तुत की जाएगी।

अमर विचारधारा

आंगनबाड़ी केंद्र को विवि ने दिए पुस्तकें, खिलौने



जौनपुर (अमर विचार धारा)। गोद लिए ग्राम सुल्तानपुर के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा शनिवार को पुस्तकें, कहानी की किताबें तथा खिलौने प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने केंद्र की बाल विकास व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए बच्चों से आत्मीय संवाद किया और प्रारंभिक शिक्षा, पोषण एवं स्वच्छता पर बल दिया। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया सिंह ने कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। उनका सर्वांगीण विकास केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा का समान महत्व है। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने बच्चों की रुचि, कल्पनाशीलता तथा सीखने की क्षमता को और बढ़ाएँगे। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि हर बच्चे को सुरक्षित, स्वच्छ, खुशहाल और शिक्षाप्रद वातावरण मिले। उन्होंने केंद्र में साफ-सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए स्वच्छता को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि बच्चों के समुचित विकास के लिए स्वच्छ वातावरण, गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ अत्यंत आवश्यक हैं। डॉ शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनु त्यागी, सीडीपीओ करंजाकला मंजू तिवारी, आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका, प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर के शिक्षक उपस्थित रहे।

निदेशक नियोजन एवं विकास बने रजनीश भास्कर

जौनपुर (अमर विचार धारा)। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कैंपस इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और रखरखाव को लेकर महत्वपूर्ण नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। विश्वविद्यालय की व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर को तत्काल प्रभाव से शिनदेशक, नियोजन एवं विकास (सिविल एवं विद्युत कार्य)श का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जारी आदेश के अनुसार, प्रो. रजनीश भास्कर अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ परिसर में सिविल और विद्युत अवसंरचना के नियोजन, नए निर्माण, संचालन, तकनीकी परीक्षण और मरम्मत कार्यों का पूरा समन्वय संभालेंगे। इसके साथ ही कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निदेर्शानुसार विश्वविद्यालय की श्भवन एवं निर्माण समितिश के गठन, पुनर्गठन और बैठकों की रूपरेखा तैयार कर निर्णय लागू कराने का काम भी देखेंगे।कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के लिए निदेशक के अधीन एक विशेष टीम का गठन किया गया है।

अवधनामा

जौनपुर/प्रयागराज/आजमगढ़/मैनपुरी

आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी: सोनिया सिंह

- आंगनबाड़ी केंद्र को पीयू ने दिए पुस्तकें, खिलौने
- गोद लिए ग्राम सुल्तानपुर के बच्चों के साथ सोनिया सिंह ने किया संवाद

अवधनामा संवाददाता



जौनपुर। गोद लिए ग्राम सुल्तानपुर के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास को नया आयाम देते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा शनिवार को पुस्तकें, कहानी की किताबें तथा खिलौने प्रदान किए गए। इस अवसर पर सोनिया सिंह ने केंद्र की बाल विकास व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए बच्चों से आत्मीय संवाद किया और प्रारंभिक शिक्षा, पोषण एवं स्वच्छता पर बल दिया। इस अवसर पर सोनिया सिंह ने कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। उनका सर्वांगीण विकास केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा का समान महत्व है। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने बच्चों की रुचि, कल्पनाशीलता तथा सीखने की क्षमता को और बढ़ाएँगे। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि हर बच्चे को सुरक्षित, स्वच्छ, खुशहाल और शिक्षाप्रद वातावरण मिले। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र पर उपलब्ध बाल विकास सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में उपस्थित सहायिका से संवाद स्थापित कर केंद्र की व्यवस्थाओं एवं बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान सोनिया सिंह को बच्चों ने उत्साहपूर्वक कहानी और कविता सुनाई। उन्होंने बच्चों के पठन-पाठन का भी अवलोकन किया और उनकी सीखने की क्षमता, प्रारंभिक शिक्षा तथा बाल विकास से जुड़ी गतिविधियों को देखा। उन्होंने केंद्र में साफ-सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए स्वच्छता को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के समुचित विकास के लिए स्वच्छ वातावरण, गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनु त्यागी, सीडीपीओ करंजाकला मंजू तिवारी, आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका, प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर के शिक्षक उपस्थित रहे।